

सम्पादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मानव
विकास आज भी हमारी
प्राथमिकता नहीं है।
नतीजतन, 140 करोड़
लोगों के देश में महज दस
करोड़ व्यक्तियों का
उपभोक्ता बाजार बना कर
हम फूले नहीं समा रहे हैं।
बहरहाल, सर्वाधिक
जनसंख्या वाला देश
बनना एक मौका है, जब
ऐसी कमियों की निर्ममता
से समीक्षा की जानी ...

**समाज के सभी वर्गों
का पथ प्रदर्शक ग्रन्थ है
श्रीरामचरित मानस**



लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

उन्होंने अपना एजेंडा स्थापित कर दिया है और उस एजेंडे पर विपक्षी पाटियों को काफी हद तक नजदीक ला दिया है। इसके बाद अब सवाल है कि वहा नीतीश कुमार नए दौर के जयप्रकाश नारायण होंगे? किसी भी नेता का जयप्रकाश नारायण होना बहुत मुश्किल है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जेपी को अपना उत्तराधिकार बनाना चाहते थे। अगर जेपी मान जाते तो वे ...

अजीत द्विवेदीवैसे तो ये दोनों— नीतीश कुमार का एजेंडा और विपक्षी एकजुटता का प्रयास— अलग अलग चीजें हैं लेकिन नीतीश ने बहुत होशियारी से इन दोनों को मिला दिया है। वे विपक्षी एकता बनवाने का प्रयास कर रहे हैं और वह भी अपने एजेंडे पर। बिहार के मुख्यमंत्री के राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति शुरू करने से पहले विपक्ष का एजेंडा अलग था। पिछले दो साल में संसद में जिन मसलों पर सरकार का विरोध हुआ है या संसद के बाहर सरकार के खिलाफ जिन मुद्दों पर प्रदर्शन हुए हैं उनको बारीकी से देखें तो इसका फर्क पता चलेगा है। इससे पहले किसान का मुद्दा सबसे बड़ा मुद्दा था। महंगाई, भ्रष्टाचार और चीन के अतिक्रमण के मुद्दे पर विपक्ष का प्रदर्शन होता था। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और सरकारी संपत्ति बेचने के मुद्दे पर सरकार का विरोध किया जाता था। राज्यों के अदिकारों का अतिक्रमण भी एक मुद्दा था तो मुफ्त की रेवड़ी का भी मुद्दा था। अगर इन सबको ध्यान से देखें तो कोई भी मुद्दा विपक्ष की ओर से तय किया हआ नहीं था। सारे मुद्दे घटनाओं पर आधारित थे।

नीतीश कुमार ने इस स्थिति को बदल है। वे अपना एक एजेंडा लेकर आए हैं एजेंडा मंडल यानी जाति की राजनीति करने का है। उनको पता है कि राष्ट्रवादी हिंदुत्व और मजबूत नेतृत्व के मसले विपक्ष भाजपा से नहीं लड़ पाएगा। भ्रष्टाचार का मुद्दा भी अंततरु भाजपा को फायदा पड़ूचाएगा क्योंकि देश की लगभग तमाम विपक्षी पार्टियां किसी न किसी तरह भ्रष्टाचार के मामले में फंसी हैं। इससे नीतीश ने भाजपा की कमजोर नस पकड़ी और जाति की राजनीति का मुद्दा लेवा आए। कहने की जरूरत नहीं है कि वे मुद्दा लेकर आए हैं उस पर राजनीति का वाले वे सबसे अधिकृत व्यक्ति हैं। नब्बे दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी रियो द्वारा मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करने के बाद देश के जिन नेताओं ने इस राजनीति की ओर आगे बढ़े उनमें से 30 सिर्फ नीतीश बचे हैं, जो सक्रिय राजनीति कर रहे हैं या किसी राज्य की कमांडांग सम्माल रहे हैं। उनके अलावा मंडल

सर्वाधिक आबादी की चुनौती

कुपोषण—ग्रस्त, अर्ध—शिक्षित और आज के तकाजे को पूरा ना करने वाले डिग्रीधारी नौजवानों की भीड़ के साथ भारत उन संभावनाओं को हासिल नहीं कर सकता है, जिन्हें चीन ने सबसे बड़ी आबादी का देश रहते हुए प्राप्त किया। पूरे ज्ञात मानव इतिहास में यह संभवतरू पहली बार होने जा रहा है, जब भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बनेगा। ऐतिहासिक रूप से हकीकत यहीं रही है कि चीन और भारत में हमेशा सबसे अधिक मानव जनसंख्या बसती रही है। इसकी वजह इन दोनों का मनुष्य के रहने लायक अधिक अनुकूल वातावरण और उपजाऊ जमीन रही हैं। आधुनिक तकनीक के विकास के पहले दुनिया के बाकी हिस्सों में इनसान की जिंदगी अपेक्षाकृत ज्यादा मुश्किल थी। बहरहाल, भारत की आबादी चीन से अधिक इसके पहले कभी हुई, इस बारे में जानकारी नहीं है। इसीलिए 2023 को एक ऐतिहासिक वर्ष के रूप में याद किया जाएगा। लेकिन क्या भारत इससे सचमुच एक ऐतिहासिक उपलब्धि का वर्ष बना पाएगा? आबादी अपने—आप में एक बड़ी संपत्ति है परंपरागत कहावत है, जिस परिवार में काम करने वाले जितने हाथ होते हैं, वह उतना समृद्ध होता है। लेकिन समृद्धि के लिए यह भी जरूरी है कि वो हाथ मजबूत, स्वरथ और सक्षम हों।



लगा क दश म महज दस करोड़ व्यापार्या का उपभोक्ता बाजार बना कर हम फूले नहीं समा रहे हैं। बहरहाल, सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनना एक मौका है, जब ऐसी कमियों की निर्मता से समीक्षा की जानी चाहिए। वरना, आबादी भारत के लिए संपत्ति साबित होने के बजाय एक कठिन चुनौती में बदल जाएगी।

अपराधियों पर राजनीति

यह बात केवल एक आईएएस अधिकारी के हत्यारों पर नहीं, बिल्कुल बानो के बलात्कारियों और उनके शितेदारों के हत्यारों पर भी लागू होती है। लेकिन जब पिछले साल अगस्त में गुजरात सरकार ने बिल्कुल बानो के दोषियों को रिहा किया, तब एसोसिएशन ने इस तरह की निराशा शायद व्यक्त नहीं की। बल्कि तब तेलंगाना की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल ने इस फैसले पर हैरानी और दुख जताते...

गंभीर अपराधों को लेकर हमारी दृष्टि कितनी चयनित होती जा रही है, इसका ताजा उदाहरण बिहार में आनंद मोहन सिंह की रिहाई पर सामने आया है। पूर्व सांसद और राजनेता आनंद मोहन सिंह को 1994 में नौकरशाह और गोपालगंज के तत्कालीन कलेक्टर जी. कृष्णया की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। जी. कृष्णया की कथित रूप से आनंद मोहन सिंह द्वारा उकसाई गई भीड़ ने हत्या कर दी थी। गैंगस्टर से राजनेता बने सिंह को 2007 में बिहार की एक निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। हालांकि, पटना हाईकोर्ट ने इसे आजीवन कारावास में बदल दिया था, उस आदेश को 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था। लेकिन हाल ही में बिहार सरकार ने जेल नियमों में कुछ संशोधन किए हैं, जिसके बाद मंगलवार को 27 कैदियों की रिहाई की अधिसूचना जारी की गई है और रिहा होने वालों में पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह का नाम भी है। अधिसूचना में कहा गया है कि, '20 अप्रैल को बिहार राज्य दंड छूट परिषद की बैठक के आलोक में 14 साल की वास्तविक सजा या 20 साल की सजा काट चुके कैदियों की रिहाई के लिए निर्णय लिया गया। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में बिहार सरकार ने ड्यूटी पर एक लोक सेवक की हत्या के दोषियों के लिए जेल की सजा को कम करने पर रोक लगाने वाले खंड को हटा दिया था। अधिसूचना जारी होने के बाद आनंद मोहन सिंह की रिहाई का रास्ता साप हो गया, लेकिन इस पर विवाद भी खड़े हरहे हैं। कई राजनेता नीतीश सरकार के इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं और इस राजनैतिक मकसद से लिया गया फैसला बता रहे हैं। बसपा सांसद मायावती ने आनंद मोहन सिंह की रिहाई को दलित विरोधी फैसला बताया है, क्योंकि जी.कृष्णया दलित समुदाय से आते थे। उनका कहना है विदेश भर के दलित समाज में इस फैसले से काफी रोप है। चाहे कुछ मजबूरी हो किन्तु बिहार सरकार इस पर जरूर पुनर्विचार करें। मायावती की राजनीति का आधार दलित वोटबैंक है और इसलिए उन्होंने जी.कृष्णया के हत्यारे की रिहाई पर आवाज उठाई है। ताकि दलित समुदाय के बीच इसका सही संदेश जाए। लेकिन जदयू ने मायावती व इस विरोध पर पलटवार करते हुए उन भाजपा की बी टीम कहा है। मायावती पर यह आरोप अकारण नहीं लगे हैं, क्योंकि बिलिक्स बानो के दोषियों की रिहाई से लेकर कई मौकों पर उन्होंने भाजपा सरकार के कान विवादित फैसलों पर चुप्पी साध रखी है। हत्या जैसे जघन्य अपराध पर अपनी सुविध के अनुसार विरोध नहीं किया जा सकता है। भाजपा की ओर से अमित मालवीय ने ट्वीट किया कि राजद की कुटिल चालों के सामने घुटने टेकने के लिए नीतीश कुमार को शाम आनी चाहिए। इस से समझा जा सकता है कि नीतीश कुमार के इस फैसले को अमित

मालवीय राजद के दबाव में लिया फैसला बता रहे हैं, जो अब बिहार सरकार में नीतीश कुमार का गठबंधन सहयोगी है। लेकिन नीतीश कुमार अगर भाजपा के साथ सरकार में रहते हुए यही फैसला लेते तो क्या अमित मालवीय तब भी उन्हें शर्मिंदा होने कहते। और क्या श्री मालवीय भाजपा के सांसद और केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के लिए भी यही कहेंगे, क्योंकि आनंद मोहन की रिहाई पर राज्य सरकार के कदम का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा है कि 'गरीब आनंद मोहन' मामले में 'बलि का बकरा' बन गया और 'लंबे समय तक जेल में रहा'। गिरिराज सिंह को आनंद मोहन बतिं का बकरा नजर आ गया, लेकिन देश की जेलों में न जाने कितने निर्दोष लोग कैद हैं, कितने ही विचाराधीन कैदी अपराध से अधिक की सजा काट लेते हैं और बाद में पता चलता है कि उन पर तो इल्जाम ही साबित नहीं हुआ। व्यवस्था की कमियों के शिकार ये लोग असल में बलि के बकरे कहे जा सकते हैं, क्या इनके लिए गिरिराज सिंह ने कोई चिंता कभी व्यक्त की है? आनंद मोहन की रिहाई पर आईएएस एसोसिएशन ने भी चिंता व्यक्त की है। सेंट्रल आईएएस एसोसिएशन ने कहा कि कैदियों के वर्गीकरण नियमों में बदलाव करके गोपालगंज के पूर्व जिलाधिकारी स्वर्गीय जी. कृष्णया की नशंस हत्या के दोषियों को रिहा करने के बिहार सरकार के फैसले पर एसोसिएशन गहरी निराशा व्यक्त करता है। देश के नौकरशाहों के शीर्ष निकाय का मानना है कि बिहार में नियमों में बदलाव गैंगस्टर से नेता बने आनंद मोहन सिंह की रिहाई की सुविधा प्रदान करेगा, जो एक दलित आईएएस अधिकारी की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। इस तरह के कदम से लोक सेवकों (आईएएस अफसरों) का मनोबल टूटता है, सार्वजनिक व्यवस्था कमजोर होती है और न्याय प्रशासन का मजाक बनता है। आईएएस अधिकारियों के मनोबल और न्याय व्यवस्था को लेकर एसोसिएशन की चिंता बिल्कुल वाजिब होते हुए भी सुविधाजनक विरोध का उदाहरण है। हत्या के दोषियों की रिहाई से समाज में सही संदेश नहीं जाएगा, इन दोषियों पर कार्रवाई करने वालों की हिम्मत पत्त होगी और पीड़ितों को नाइंसाफी का अहसास होगा। यह बात केवल एक आईएएस अधिकारी के हत्यारों पर नहीं, बिल्कुल बानों के बलात्कारियों और उनके शितेदारों के हत्यारों पर भी लागू होती है। लेकिन जब पिछले साल अगस्त में गुजरात सरकार ने बिल्कुल बानों के दोषियों को रिहा किया, तब एसोसिएशन ने इस तरह की निराशा शायद व्यक्त नहीं की। बिल्कु तब तेलंगाना की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रिस्ता सभरवाल ने इस फैसले पर हैरानी और दुख जताते हुए ट्वीट किया था, तो आईएएस अधिकारियों में इस पर विर्माण छिड़ गया था कि लोकसेवकों को सोशल मीडिया पर इस तरह के फैसलों पर टिप्पणी करना चाहिए या नहीं।

नीतीश का एजेंडा और विपक्षी एकत्रिता

बाद नीतीश उसी भाजपा के साथ लौटे थे।
सवाल है कि क्या तब उनको यह उम्मीद थी कि भाजपा सामाजिक न्याय की राजनीति करेगी या उनको लगा था कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ लड़ने का समर्थन अभी नहीं आया है? संभव है कि दोनों बातें कुछ कुछ मात्रा में सही हों। उनको भाजपा से और खास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उम्मीद हो कि वे सामाजिक न्याय के उसे फॉर्मूले को मानेंगे, जिसे खुद नीतीश मानते हैं और यह भी लगता हो कि अभी मोदी विरोध का समय नहीं आया है। उनकी उम्मीद टूटी है 2022 में उत्तर प्रदेश भाजपा की लगातार दूसरी जीत से।

नाजपा का लगातार दूसरा जीत से हुई, जिनसे नीतीश का भाजपा से मोहब्बत हुआ। 2020 के विधानसभा चुनाव का घास नीतीश के मन में था लेकिन 2022 वाले घटनाक्रम ने उनके परेशान किया। मंडल की राजनीति का केंद्र रहे उत्तर प्रदेश एक सर्वर्ण नेता की कमान में लगातार दूसरी बार भाजपा की जीत ने नीतीश को

को गिरा कर अपनी सरकार बना रही थी उस समय नीतीश ने विहार में भाजपा की सरकार गिरा दी और उसके बाद पहला काम किया कि जातीय जनगणना को मंजूरी दी। राज्य सरकार ने अपने खर्च से विहार में जातियों की गिनती कराने का फैसला किया। इस मुद्दे को लेकर भाजपा बैकफुट पर आई। वह न तो जातीय जनगणना करा सकती है और न खुल कर इसका विरोध कर सकती है। उसकी इस दुविधा को समझते हुए नीतीश ने इसे भाजपा विरोध का केंद्रीय एजेंडा बनवा दिया। कांग्रेस से लेकर आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी से लेकर तण्मुख कांग्रेस डीपसके भाजपा से मिलता जुलता है। इसलिए मल्लिकार्जुन खडगे की मौजूदगी में नीतीश ने राहुल गांधी को अपने एजेंडे के बारे में बताया और कांग्रेस का फायदा समझाया। कांग्रेस के राजी होने के बाद नीतीश को जयदा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ी है। अब तक वे जितनी पार्टियों के नेताओं से मिले हैं, सबने उनके प्रयास को सराहा है और उसमें भागीदार बनने की सहमति दी है।

पाठ से लेकर रुग्ननूल काप्रस, डाइनक, एनसीपी, शिव सेना उद्घव ठाकरे गुट, वामपंथी पार्टियां सब इस पर एकमत हैं। यह विपक्ष को बांधने वाली मानवत दोष है।

A horizontal banner with a decorative border. On the left is a portrait of the Buddha. The main text in the center reads "बुद्ध पब्लिकेशन" in large, bold, yellow letters, with "आफसेट एण्ड प्रिन्टर्स" below it in smaller yellow letters. Above the main text, there is smaller text in Hindi: "भारतीय विद्यालय अधिकारी बोर्ड प्रिन्टर्स" and "विद्यालय अधिकारी बोर्ड प्रिन्टर्स".



नाले में मिला युक्त का शव, पहचान नहीं

देवरिया। गोरखपुर रोड स्थित केनरा बैंक के पास नाले में एक युक्त का शव मिला। आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने शब की पहचान के लिए प्रयास किया, लेकिन उसके पास से ऐसा कोई कांगजात नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। दोपहर में सड़क किनारे बड़ा नाले में करीब 30 वर्षीय युक्त का शव लोगों ने पड़ा देखा। शव मिले ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक काले रंग की पैंट और शर्ट पहन रखी थी। शव देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह कई दिन पुराना है। उसकी जेब से एक-एक के दस रुपये के सिक्के मिले हैं। कोतवाल राहुल सिंह ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। मोर्चरी में शव रखवा दिया गया है। 72 घंटे बाद नियमानुसार पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर घर से निकालने का आरोप

कंचनपुर। विवाहिता ने सुसुरालियों पर दहेज में दो लाख रुपये और चारपहिया वाहन की मांग को लेकर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने तरकुलवा थाने में तहरीर देकर सुसुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। तरकुलवा थाना क्षेत्र के मठिया रत्ती गांव के रहने वाले रमेश गुप्ता की बेटी गुणज गुप्ता की शादी 20 मई 2019 को क्षेत्र के भैंसा डाबर गांव निवासी नीरज गुप्ता पुत्र विनोद गुप्ता से हिंदू शीति-रियाज से संपन्न हुई थी। गुणज ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि शादी के बाद से उनके पति, सास, ससुर आदि सुसुरालियों द्वारा मायके वालों से दो लाख रुपये नकद और एक चार पहिया वाहन की मांग की जाती है। माता-पिता दहेज में इतनी रकम और गाड़ी देने में असमर्थ हैं, जिसके चलते सुसुरालियों ने गोलबंद होकर उन्हें जान से मार डालने की नीत देने पहले लाठी-डंडे, लात-मुकाबा से मारा—पीटा। इसके बाद उन लोगों ने उन्हें पकड़ कर ईंट की दीवार में लालूकर गंभीर रुप से घायल कर दिया और घर से निकाल दिया है। वह किसी तरह से जान बचाकर मायके में शरण ली है। इस संबंध में एचएसओ दिलीप सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। घटना कि जाच करके आरोपियों के खिलाफ न्याय संगत धाराओं में केस दर्ज किया जाएगा।

मांगों के समर्थन में दिया धरना

देवरिया। ब्लाक मुख्यालय पर अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर समा के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर धरना दिया। मौके पर पहुंचे एडीओ पंचायत रविंद्र कुमार को सात सूची मांगों का ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि कुरूमौली, भड़सर, जानकी कुटिया, अहिरौली बघेल दक्षिण पट्टी व पड़री ग्राम पंचायत के दलित व अल्पसंख्यक बस्ती के लोगों के जलनिकासी इंतजाम के लिए साइफन व नाला बनाने, भैंसींहीं, कुरूमौली, अहिरौली बघेल, बलिवन खास, पड़री, कड़सरवा बुजुर्ग, भवानी छापर सहित ब्लाक के सभी गांवों के लाभार्थियों के बंद पड़े पंशेन को तत्काल चालू कराया जाए। इसी तरह ब्लाक के सभी गांव में शौचालय से विचित लोगों का शौचालय निर्माण कराने व आवास से विचित पात्र व्यक्तियों की जांच कर आवास की गारंटी देने, मनरेगा मजदूरों की बकाया मजदूरी का तत्काल भुगतान करने, गृहस्थी प्रात्रता सूची से विचित लोगों का नाम दर्ज कर राशन कार्ड जारी करने, कैंप लगाकर पात्र व्यक्तियों का वृद्धा, विधावा व विकलांग पेंशन जारी करने की मांग की गई है। इस दौरान श्रीराम कुशवाहा, बैजनाथ प्रसाद, कंसरी देवी, रामदरस प्रसाद, प्रभावती देवी लिलात देवी, फूलमतिया देवी, सुखिया देवी, देवराज भगत और शिवनंदन प्रसाद आदि मौजूद रहे।

ट्रेलर की चपेट से पिकअप चालक घायल

फैरेंदा। सोनौली की तरफ से गोरखपुर जा रहे पिकअप चालक को झपकी आ जाने के कारण सामने से आ रहे ट्रेलर की चपेट में आ गया। इससे चालक समेत दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। श्यामीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया। जहां से पिकअप चालक की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। अमेठी जिला निवासी शेरबाबू (27) पिकअप पर मुर्मा भरकर सोनौली की तरफ गया था। लौटते समय बनकटी अस्पताल के समीप झपकी आने के कारण सामने से आ रही ट्रेलर की चपेट में आ गया। पिकअप चालक शेरबाबू व ट्रेलर चालक रविंद्र गिरी निवासी भौआपार बेलीपार गोरखपुर को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद करीब 20 मिनट तक राजमार्ग जाम रहा। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी ले गया। स्थानें देवर त्रिपुरा शेरबाबू की हालत नाजुक बनी हुई है। स्थेंद्र कुमार राय ने बताया कि वाहन कब्जे में है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पिता को कमरे में बंद कर प्रेमी के साथ फकर हो गई

महाराजगंज। जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां पर एक बैटी पिता को कमरे में बंदकर प्रेमी के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। गोरखपुर जिले के खजनी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति ने पुलिस की दी तहरीर में बताया है कि वह महाराजगंज जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में किसाये के मकान में रहते हैं। 23 अप्रैल की शाम करीब पांच बजे वह अपने कमरे में थे। इसी बीच बेटी शौच के बहाने कमरे से बाहर निकली। उसके बाद उनके कमरे में बाहर से ताला लगा दी। उसके बाद फकर हो गई। बताया कि मकान के जरिए संपर्क कर कुछ देर बाद कमरे का ताला खुलवाया। उसके बाद बेटी की काफी खोजबीन की, लेकिन बेटी का कहीं भी पता नहीं चल सका। इसी बीच कुछ लोगों से जानकारी मिली कि कुछ लोग बाइक से आए थे। उसके बाद उनकी बेटी को लेकर फकर हो गए। सदर कोतवाल रवि कुमार राय ने कहा कि पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जाएगा।

चिकन पॉक्स से महिला की मौत, 10 पीड़ित

महाराजगंज। शहर के घोड़हावा वार्ड में चिकन पॉक्स से पीड़ित महिला की रविवार देर रात मौत हो गई जबकि 10 परिवार इससे पीड़ित हैं। अंगनबाड़ी के सर्वे में बच्चे से लेकर बुजुर्ग इसमें शामिल हैं। यह बीमारी तेजी से फैल रही है। वार्ड की अंगनबाड़ी नीलम पटेल ने बताया कि चिकन पॉक्स की चपेट में आने से वार्ड की आशा देवी (45) की बीते रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने सीएचसी निचलौल में भर्ती करायी। अंगनबाड़ी का स्वास्थ्य परीक्षण बार्ड के द्वारा किया गया है। यह बीमारी देवी को नियमित रूप से लेकर रखा जा रहा है। इससे चिकन पॉक्स फैलने की जानकारी नहीं थी। अब जानकारी देवी को नियमित रूप से लेकर रखा जाएगा। इससे चिकन पॉक्स की चपेट में आने से वार्ड की आशा देवी की व्यवस्था सुचारू रुप से की जाएगी। नियमित रूप से लेकर रखा जाएगा।

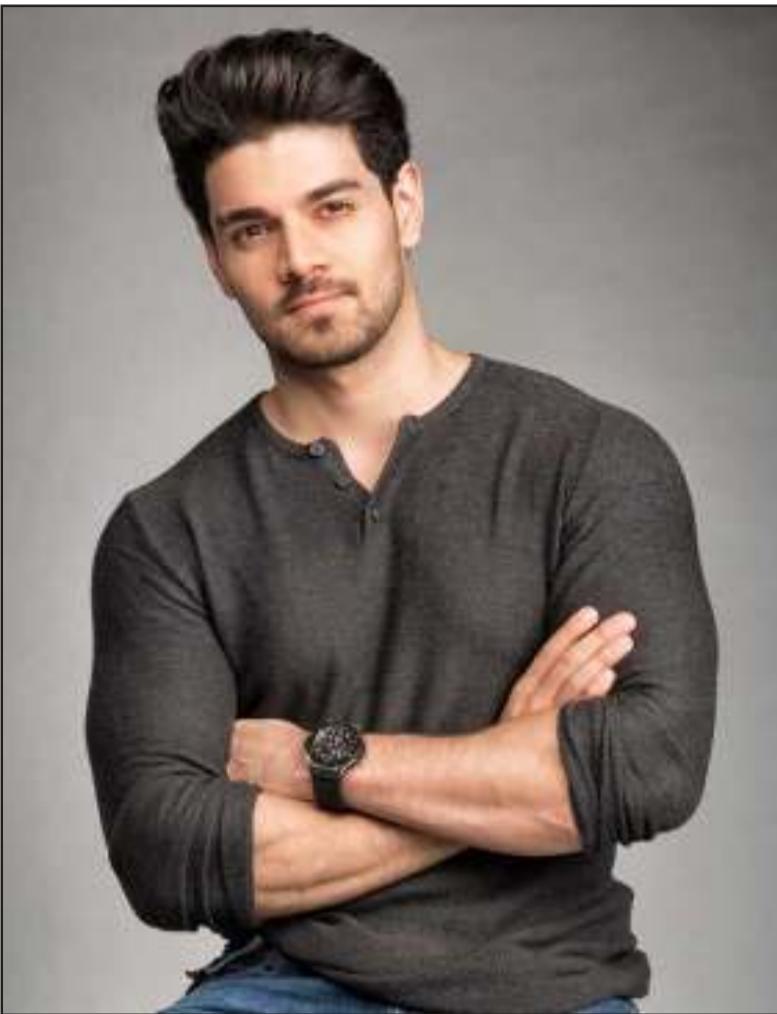
रोडवेज की साइट हैक होने से 38 लाख की ईटीएम बेकार

देवरिया। परिवहन निगम की साइट हैक होने का असर यह है कि 38 लाख की ईटीएम मर्शीन 38 लाख रुपये की ईटीएम मर्शीन में विभिन्न तरह की सुविधाएँ भी थीं। इसी दौरान दो दिन पहले परिवहन निगम की साइट हैक हो गई है। मैनुअल टिकट के कारण बसों की रफतार धीमी हो गई है। जिन मार्गों पर गंतव्य तक पहुंचने में एक धंटे लगते थे, अब वहां डेढ़ धंटे लग रहे हैं। गोरखपुर की यात्रा में भी समय अधिक लगते हैं। मैनुअल टिकट लेने से परिवहन निगम की साइट हैक हो गई है। इसका असर यह है कि 176 बसों का संचालन सुचारू रुप से कराने में निगम के अफसरों के पसीने छूट गए। मैनुअल टिकट लेने से परिवहन निगम की धमकी दी तो परिवहन कैरीब एक साल तक रहे। बस को औराचौरी के पास रोक कर परिवहन निगम की साइट हैक हो गई है। इसका असर यह है कि 176 बसों का संचालन सुचारू रुप से कराने में निगम के अफसरों के पसीने छूट गए। मैनुअल टिकट लेने से परिवहन निगम की धमकी दी तो परिवहन कैरीब एक साल तक रहे।

हालांकां बहानी के मंदिर के पास खड़े दो बाइक पर सवार तीन सदिश युवकों को हिरासत में लेकर तलाशी ली। उनमें से एक के पास तमचा एवं कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने बाइक के सवार श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के बाहिर गांव में लाए। अभियुक्तों के बहाने के आधार पर पुलिस से चोरी की गई थी। अभियुक्तों के बहाने के आधार पर यह रहा कि विवाहित युवकों को हिरासत में लाए जाना चाहिए। यह बाइक के सवार तीन वाली बसों का टिकट हैक हो गई है। इसका असर यह है कि 38 लाख की ईटीएम मर्शीन की साइट हैक हो गई है। इसका असर यह है कि 176 बसों का संचालन सुचारू रुप से कराने में निगम के अफसरों के पसीने छूट गए। मैनुअल टिकट लेने से परिवहन निगम की धमकी दी तो परिवहन कैरीब एक साल तक रहे।

हालांकां बहानी के मंदिर के पास खड़े दो बाइक पर सवार तीन सदिश युवकों को हिरासत में लेकर तलाशी ली। उनमें से एक के पास तमचा एवं कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने बाइक के सवार श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के बाहिर गांव में लाए। अभियुक्तों के बहाने के आधार पर पुलिस से चोरी की गई थी। अभियुक्तों के बहाने के आधार पर यह रहा कि विवाहित युवकों को हिरासत में लाए जाना चाहिए। यह बाइक के सवार श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के पास खड़े दो बाइक पर चोरी की गई थी। अभियुक्तों के बहाने के आधार पर यह रहा कि विवाहित युवकों को हिरासत में लाए जाना चाहिए। यह बाइक के सवार श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के पास खड़े दो बाइक पर

सीबीआई कोर्ट से बरी होने के बाद सूरज पंचोली का पहला पोस्ट, लिखा—द ट्रूथ ऑलवेज विन



जिया खान सुशाइट के अधिनेता सूरज पंचोली को आज मुंबई में केंद्रीय जांच व्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने जिया खान के मामले में बरी कर दिया। उन पर कथित तौर पर अधिनेता को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। जिया, जिन्हें अमिताभ बच्चन के साथ निशब्द में अभिनय के लिए जाना जाता था, 3 जून 2013 को मुंबई में अपने घर पर मृत पाई गई। वह 25 वर्ष की थीं। मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत के न्यायाधीश एस सैयद ने कहा— सबूतों की कमी के कारण, यह अदालत आपको पकड़ नहीं सकती (सूरज पंचोली) दोषी, इसलिए बरी किया जाता है। फैसले के कुछ ही घंटों बाद, सूरज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भगवान में अपने विश्वास को व्यक्त करते हुए एक स्टोरी साझा की। उन्होंने लिखा, द ट्रूथ ऑलवेज विन (हाथ जोड़कर और लाल दिल वाले इमोजी के साथ)।

केंद्रीय जांच व्यूरो के अनुसार, 10 जून, 2013 को जांच शुरू करने वाली मुंबई पुलिस द्वारा जब्त किया गया पत्र जिया खान द्वारा लिखा गया था। सीबीआई ने दावा किया कि नोट में कथित तौर पर सूरज पंचोली के हाथों उसके फिल्म संबंधी, शारीरिक शोषण और मानसिक और शारीरिक यातनाएँ के बारे में बताया गया था, जिसके कारण जिया ने आत्महत्या कर ली। सत्र अदालत के कहने के बाद मामला 2021 में एक विशेष सीबीआई अदालत को सौंप दिया गया था। इस मामले पर इसका अधिकार क्षेत्र नहीं था क्योंकि केंद्रीय जांच व्यूरो (सीबीआई) ने इसकी जांच की थी। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एस सैयद ने दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद पिछले हफ्ते 28 अप्रैल के लिए मामले में अपने फैसला शुरू किया रख लिया था। जिया खान की मां राबिया ने कहा कि जिया चाहती हूं कि सच्चाई सामने आए, जिया खान ने अपनी जान नहीं ली। हमने तथ्यात्मक सबूतों के आधार पर सच्चाई को उजागर करने में 10 साल बिताए हैं। अब सही निर्णय कानूनी अदालत पर निर्भर है। ऐप्पले साल, बॉम्बे हाई कोर्ट ने मामले की नए सिरे से जांच की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। अपनी गवाही के दोषानन्द राबिया खान ने सीबीआई कोर्ट को बताया था कि पंचोली जिया खान के साथ शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार करते थे। उसने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस और सीबीआई ने यह सावित करने के लिए कानूनी सबूत एकत्र नहीं किए कि उनकी बेटी ने आत्महत्या की थी।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की भीड़ देखकर पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोग गदगद, शाहरुख खान व कार्तिक आर्यन समेत कई कलाकार भी पहुँचे शूटिंग के लिए



जम्मू-कश्मीर वापस से सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु आ शूटिंग शुरू हुई। इस गाने को पर्यटकों के आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र तो बन ही चुका है। मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया। जम्मू-कश्मीर पर्यटन को इस सबसे जहां खब लाभ हो रही है। इस समय हिंदू फिल्मों के तमाम छोटे बड़े अधिनेता कश्मीर में शूटिंग कर रहे हैं तो दूसरी ओर पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए इस साल पुराने सारे रिकॉर्ड टूट जाने की उम्मीद है। इस बीच, वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियां भी तेज हो गयी हैं। माना जा रहा है कि इस बार

अमरनाथ यात्रा 2023

जहां तक अमरनाथ यात्रा की बात है तो आपको बता दें कि जुलाई में शुरू होने वाली

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू-क्षेत्र में सुरक्षा प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी काफी सुदृढ़ हुई है।

अमरनाथ यात्रा

जहां तक अमरनाथ यात्रा की बात है तो आपको बता दें कि जुलाई में शुरू होने वाली

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू-क्षेत्र में सुरक्षा उपायों और सेनिकों की तैनाती

पर चर्चा के लिए विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की बैठक हुई। हम आपको बता दें कि देखते हुए इस साल टूटेंगे

जहां तक पर्यटकों की बात है तो उपराजपाल मनोज सिन्हा

ने कहा है कि वह इस साल जाम्मू-कश्मीर में दो करोड़ से

तमाम छोटे बड़े अधिनेता कश्मीर में शूटिंग कर रहे हैं।

कश्मीर में खूब हो रही फिल्मों की शूटिंग

दूसरी ओर, फिल्मों की शूटिंग की बात है तो हम आपको बता दें कि फिल्म अधिनेता

जाम्मू कश्मीर आए थे और मुझे उम्मीद है कि कि इस साल दो तोड़े

जाम्मू कश्मीर के अंतर्गत दो करोड़ से ज्यादा सैलानियों के बाने की बैठक हुई। हम आपको बता दें कि देखते हुए इस साल टूटेंगे।

कश्मीर में खूब हो रही फिल्मों की शूटिंग

दूसरी ओर, फिल्मों की शूटिंग की बात है तो हम आपको बता दें कि फिल्म अधिनेता

जाम्मू कश्मीर आए थे और क्षेत्र में एक तैयारी बैठक बुलाई और क्षेत्र में

पर्याप्त पुलिस और सुरक्षा बल की तैनाती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक की शूटिंग की बैठक में वर्तमान शुल्कात सोनर्मार्ग के एक मनोरम पर्यटन स्थल में एक गाने के दृश्यों के बाने की जासकती है—पर्याप्त प्रतिस्पर्धा करते हैं। पर्याप्त प्रतिस्पर्धा करते हैं।

पर्यटकों की संख्या के प्रतिक्रिया के लिए जम्मू क्षेत्र के अंतिरिक्ष पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने आगामी अमरनाथ यात्रा के संबंध में एक

तैयारी बैठक बुलाई और क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस और सुरक्षा बल की तैनाती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक की शूटिंग में वर्तमान शुल्कात सोनर्मार्ग के एक मनोरम पर्यटन स्थल में एक गाने के दृश्यों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि देखते हुए इस साल 300 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि रिकॉर्ड टूट बनाएंगे और उन्होंने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हम अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

कश्मीर में खूब हो रही फिल्मों की शूटिंग

दूसरी ओर, फिल्मों की शूटिंग की बात है तो हम आपको बता दें कि फिल्म अधिनेता

जाम्मू कश्मीर आए थे और क्षेत्र में एक तैयारी बैठक बुलाई और क्षेत्र में

पर्याप्त पुलिस और सुरक्षा बल की तैनाती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक की शूटिंग में वर्तमान शुल्कात सोनर्मार्ग के एक मनोरम पर्यटन स्थल में एक गाने के दृश्यों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि देखते हुए इस साल 300 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि रिकॉर्ड टूट बनाएंगे और उन्होंने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हम अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

कश्मीर में खूब हो रही फिल्मों की शूटिंग

दूसरी ओर, फिल्मों की शूटिंग की बात है तो हम आपको बता दें कि फिल्म अधिनेता

जाम्मू कश्मीर आए थे और क्षेत्र में एक तैयारी बैठक बुलाई और क्षेत्र में

पर्याप्त पुलिस और सुरक्षा बल की तैनाती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक की शूटिंग में वर्तमान शुल्कात सोनर्मार्ग के एक मनोरम पर्यटन स्थल में एक गाने के दृश्यों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि देखते हुए इस साल 300 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि रिकॉर्ड टूट बनाएंगे और उन्होंने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हम अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

कश्मीर में खूब हो रही फिल्मों की शूटिंग

दूसरी ओर, फिल्मों की शूटिंग की बात है तो हम आपको बता दें कि फिल्म अधिनेता

जाम्मू कश्मीर आए थे और क्षेत्र में एक तैयारी बैठक बुलाई और क्षेत्र में

पर्याप्त पुलिस और सुरक्षा बल की तैनाती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बैठक की शूटिंग में वर्तमान शुल्कात सोनर्मार्ग के एक मनोरम पर्यटन स्थल में एक गाने के दृश्यों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि देखते हुए इस साल 300 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हुई है। हम आपको बता दें कि रिकॉर्ड टूट बनाएंगे और उन्होंने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हम अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

पोन्नियन सेलवन 2 को लिखा जाता वेस्ट फिल्म का अवॉर्ड, राजकुमार राव बनें सर्वश्रेष्ठ अधिनेता

गंगूबाई काठियावाड़ी ने जीता बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड, राजकुमार राव बनें सर्वश्रेष्ठ अधिनेता